भैंसवामाता में हुई कार्यशाला • प्रायोगिक तौर पर विद्यार्थियों ने दिखाए विज्ञान के चमत्कारिक प्रयोग

जादू-टोना सब भ्रम, असल में ये विज्ञान है... नारियल पर पानी छिड़का तो लगी आग, नीबू के रस से दीपक जलाए

भास्कर संवाददाता | पड़ाना

ग्रामीण क्षेत्रों में कतिपय ठग भोली-भाले लोगों को भूत-प्रेत बाधा का हवाला देकर अक्सर ठगी करते हैं। ये ठग जादू-टोना के बहाने लोगों को बेवकूफ बनाते रहते हैं। दरअसल जादू-टोना सब भ्रम है, वास्तव में ये विज्ञान के प्रयोग हैं। इन्हें समझाना और समझाना भी आसान हैं। लोगों के बीच गलत धारणा को समाप्त करने के लिए सरकार ने शिक्षा पाठ्यक्रम में जादू नहीं विज्ञान है विषय पर आधारित कार्यशालाएं करने को कहा है। इसी कड़ी में भैंसवामाता के सरकारी हाईस्कूल में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों ने विज्ञान के चमत्कारिक प्रयोग करके दिखाए।

प्रयोगों से बताया जादू टोना नाम की कोई विधि नहीं

इन प्रयोगों के जरिए बताया गया कि आधुनिक युग में जादू टोना नाम की कोई विधि नहीं है, बल्कि ये विज्ञान है। इस अवसर पर प्राचार्य गोकुलप्रसाद नागर, ललित नागर, मनोज मेवाड़ा, गोपाल नागर, माया सोनी, रवि सेन आदि मौजूद थे।

जादू नहीं विज्ञान विषय पर केमिकल से विज्ञान के प्रयोग करते विद्यार्थी-शिक्षिका। विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए।

ग्लिसरीन से हवन, जादू से तिलक लगाने की विधि बताई

प्रयोगशाला शिक्षिका चंदा नागर ने विद्यार्थियों का इन प्रयोगों के प्रदर्शन में सहयोग किया। स्कूल की प्रयोगशाला में विद्यार्थियों ने केमिकल युक्त पानी को नारियल पर छिड़का तो आग लग गई। पानी में भी आग लगाकर दिखाई। नीबू के रस से दीपक जलाकर दिखाए। ग्लिसरीन से हवन करके दिखाया। नीबू से लाल रंग का स्राव (खून) निकालने का प्रयोग, जादू से तिलक लगाने आदि प्रयोग किए। विद्यार्थियों ने भी प्रयोग करके देखा।

दैनिक भास्कर धार भास्कर 22-12-2021

स्कूल की यादें • सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन तराना ने की पहल, गले मिलकर पूछे एक-दूसरे के हालचाल

45 साल पहले की यादें ताजा हुई, पूर्व छात्रों का मिलन समारोह, शहीद गैलरी देखकर प्रसन्न हुए

भास्कर संवाददाता | बदनावर

करीब 45 साल बाद मिले तो बरसों पहले ही यादें ताजा हो उठीं। बदनावर में एक-दूसरे के संगी साथी रहकर शासकीय माध्यमिक विद्यालय और नंदराम चोपड़ा उमावि में पढ़ाने वाले करीब 40 सहपाठी रविवार को बदनावर में बड़ी चौपाटी के पास गोकुलधाम सोसायटी में जी भरकर गले मिले। वर्षों तक एक-दूसरे से नहीं मिलने के तमाम गिले-शिकवे दूर किए।

बदनावर. हायर सेकंडरी स्कूल की कक्षा में बैठे पूर्व छात्र।

सभी अपने दोनों स्कूल एवं नागेश्वर महादेव मंदिर गए। तीनों जगह घूम कर यादों को साझा किया। सबसे अधिक रोमांच पैदा हुआ हायर सेकंडरी स्कूल में अपनी कक्षाओं में बैठकर पढ़ाई करने और मैदान में खेलने के बारे में। उन्होंने स्कूल में प्रयोगशाला व लाइब्रेरी देखी तथा वह हैंडपंप भी देखा। जहां वे बार-बार दौड़कर पानी पीने जाते थे। उन्हें पढ़ाने वाले उस समय के व्याख्याताओं व शिक्षकों को भी दिल से याद किया। स्कूल के शिक्षक प्रदीप पांडेय व अन्य शिक्षकों ने उनका स्वागत कर फोटो खिंचवाए। बाद में माध्यमिक विद्यालय भी गए जो अब जीर्ण शीर्ण हो चुका है। शहीद गैलरी देखकर सभी बहुत प्रसन्न हुए।

कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ साथी देवेंद्र माथुर (बदनावर) थे। सबको एकत्रित करने का काम व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन विपुल निगम (तराना) ने किया। सदस्यों में शहरकाजी सलीमउल्लाह, आईएस के सेवानिवृत्त एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजेश पटवा, चार्टर्ड अकाउंटेंट शशिकुमार धोका, विवेक वैद्य, नरेंद्र गांधी, प्रदीप खड़ीकर, संतोष दरड़ा, राकेश पाटीदार, हरिओम पाटीदार, नईमुद्दीन शेख, रामेश्वर चौधरी, विनोद राक्ल, प्रकाश पोखरना, भीमसिंह भाटी, रमेशचंद्र शर्मा, सुरेश तारे, रमेशचंद्र जाधव समेत बदनावर निवासी शैलेंद्रकुमार भट्ट, आशुतोष मिश्रा, अनिल पटवा, जगजीवनसिंह पंवार, राजेश पाठक, अरुण सुदेचा, दिलीप मुजूमदार, अनीस बैग मिर्जा, ईश्वरलाल रजक, कुंदनमल मूणत, सुनील पंवार, रघुनंदन मेहता आदि शामिल थे।